

**छिनकना** स.क्रि. (देश.) साँस के साथ नाक का मल बाहर निकालना, नाक छिनकना।

**छिनना** अ.क्रि. (देश.) 1. छीन लिया जाना, हरण होना 2. पत्थर का छेनी या टाँकी के आघात से कटना 3. सिल, चक्की आदि का छेनी के आघात से खुरदरी या गड़बेदार होना; कुटना।

**छिनवाना** स.क्रि. (देश.) छीनने का काम कराना।

**छिनार, छिनाल** स्त्री. (देश.) व्यभिचारिणी, कुलटा, पर-पुरुष गामिनी।

**छिनाला** पुं. (देश.) स्त्री-पुरुष का अनुचित सहवास, व्याभिचार।

**छिन्न** वि. (तत्.) 1. जो कटकर अलग हो गया हो, खंडित 2. क्षीण, थका हुआ, क्लान्त 3. दूर किया हुआ, नष्ट-भ्रष्ट।

**छिन्नक** वि. (तत्.) अंशतः फटा हुआ, जिसका कुछ अंश कटा हो।

**छिन्न-भिन्न** वि. (तत्.) 1. कटा फटा, खंडित, टूटा-फूटा, नष्ट भ्रष्ट 2. जिसका क्रम खंडित हो गया हो, अस्त व्यस्त, तितर-बितर।

**छिन्न मस्तक** वि. (तत्.) जिसका सिर कट गया हो।

**छिन्न मस्ता** वि. (तत्.) 1. शा. अर्थ जिसका सिर कटा हो, तंत्रशास्त्र में उल्लिखित दश देवियों में से एक जो अपना सिर हथेली पर धरे गले से निकलती रक्त धारा को पीती हुई मानी जाती है।

**छिन्न मूल** वि. (तत्.) जड़ से कटा हुआ, मूलोच्छेद किया हुआ।

**छिन्न संशय** वि. (तत्.) जिसके मन का तर्क-वितर्क का संदेह दूर हो गया हो, संशय-रहित।

**छिपकली** स्त्री. (देश.) 1. एक रेंगने वाला जंतु जो अक्सर घर की दीवारों पर दिखाई देता है और कीड़े-मकोड़े खाता है, गृहगोथा, भित्तिका 2. कृश शरीर की औरत 3. कान का एक गहना।

**छिपना** अ.क्रि. (देश.) 1. आवरण या ओट में हो जाना, ऐसी जगह पद चले जाना जहाँ कोई देख

न सके, दृश्य न होना 2. अदृश्य होना 3. स्पष्ट न होना 4. गुप्त रहना।

**छिपाछिपी/छिपा छिपीअल** क्रि.वि. (देश.) चुपके से छिपछिप कर, छिपाकर स्त्री. लुकाछिपी का खेल, आँख मिचौनी।

**छिपाना** स.क्रि. (देश.) 1. दूसरों को दिखाई न पड़ने के उद्देश्य से किसी वस्तु अथवा व्यक्ति का गुप्त स्थान में आड़ में करना 2. शरीर के किसी अंग को ढँकना 3. प्रकट न करना, गुप्त रखना।

**छिपाव** पुं. (देश.) छिपना अथवा छिपाने की क्रिया या भाव, गोपन।

**छिपिया** पुं. (देश.) दर्जी स्त्री. (देश.) छोटा छिपा, डलिया।

**छिपे-छिपे** क्रि.वि. (देश.) इस प्रकार गुप्त रूप से कि दूसरों को पता न चले।

**छिप्र** क्रि.वि. (तद्.) क्षिप्र।

**छिमता** स्त्री. (तद्.) क्षमता।

**छियना** क्रि. (देश.) क्षीण होना।

**छिया** स्त्री. (देश.) गुह, मल।

**छियाज** पुं. (देश.) ब्याज की रकम पर भी जोड़ा जाने वाला ब्याज, कटुआँ ब्याज।

**छियानबे** वि. (तद्.) जो गिनती में नब्बे से छः अधिक हो पुं. उक्त की सूचक संख्या 96।

**छियालीस** वि. (तद्.) जो गिनती में चालीस से छः अधिक हो पुं. उक्त की सूचक संख्या 46।

**छियासठ** वि. (तद्.) जो गिनती में साठ से छः अधिक हो पुं. उक्त की सूचक संख्या 66।

**छियासी** वि. (तद्.) जो गिनती में अस्सी से छः अधिक हो पुं. उक्त की सूचक संख्या 86।

**छियासठ** वि. (तद्.) जो गिनती में साठ से छः अधिक हो पुं. उक्त की सूचक संख्या 66।

**छिकरना** क्रि. (देश.) छिड़कना।

**छिरना** अ.क्रि. (देश.) छिलना।